विचार बिन्दु

वह जो अपने प्रियजनों से अत्यधिक जुड़ा हुआ है। उसे चिंता और भय का सामना करना पड़ता है। क्योंकि सभी दुःखों कि जड़ लगाव है। इसलिए खुश रहने कि लिए लगाव छोड़ दीजिये।

–चाणक्य सुविचार

आतंकी गतिविधियों पर भारी सड़कों के गड्ढे

बात थोडी अजीब अवश्य लगेगी पर वास्तविकता तो यही है कि देश दुनिया में सडकों के गड्ढे दुनिया की आतंकवादी गतिविधियों पर भारी पड रहे हैं। वैश्विक आंकडों का विश्लेषण किया जाए तो 2021 में आतंकवादी गतिविधियों के कारण 5226 लोग मारे गये। वहीं दूसरी और अकेले अमेरिका में ही 2021 में सडकों के गड्ढों के कारण 15 हजार से अधिक मारे गए। इसी तरह से इंग्लैण्ड में 1390, भारत में 3565, रुस में 431 लोग मारे गए। आतंकवाद के कारण होने वाली मौतों से यह कोई चार गुणा अधिक है। कमोबेस दुनिया के देशों में आज भी सडकों पर गड्ढो के कारण दुर्घटना से मौत के आंकडों में साल दर साल बढोतरी ही होती जा रही है। केन्द्रीय सडक व परिवहन मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में तमाम सडक हादसों में सबसे अधिक मौत सडकों पर बनें गड्ढों के कारण हो रही है। अब सडक में गड्ढों के कारण मौत की जिम्मेदारी सरकार या स्थानीय प्रशासन से इतर किसी और को दी भी नही जा सकती। मौत को अलग कर भी दिया जाए तो सडकों पर गड्ढों से होने वाले अन्य नुकसान का ही विश्लेषण करें तो साफ हो जाता है कि यह कोई छोटी-मोटी राजस्व हानि नहीं अपितु बडा नुकसान जुडा हुआ है। उदाहरण के तौर पर चैन्नई में कराए गए एक अध्ययन के अनुसार सडक के गड्ढों के कारण प्रतिदिन 75 करोड के राजस्व का नुकसान होता है। यह तो एक बानगी मात्र है और इससे आसानी से कयास लगाया जा सकता है कि सडक के गड्ढे जनहानि और धन हानि दोनों के ही प्रमुख कारण है।

ऐसा नहीं है कि सरकारें या दुनिया के देश इस समस्या को लेकर गंभीर नहीं हो पर जो नतीजे साल दर साल देखने को मिलते हैं वह अपने आप में गंभीर है। सडक के गड्ढों की वैश्विक गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि प्रतिवर्ष 15 जनवरी को राष्ट्रीय गड्ढा दिवस मनाया जाता है। इंगलैण्ड में गड्ढों से होने वाले नुकसान पर नागरिकों को मुआवजा देने का प्रावधान है। दूसरी और दुनिया के देशों द्वारा भी सडकों के गड्ढो के कारण होने वाली दुर्घटनाओं व मौतों को लेकर बडे-बडे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन, सेमिनार, गोष्ठियां, जनचेतना रैलियां होती रहती है तो सड़क के निर्माण में लगे इंजीनियरों व अन्य कार्मिकों को शिक्षण प्रशिक्षण दिया जाता है। यह भी साफ है कि गड्ढों के जो प्रमुख कारण है वे भी किसी से छिपे हुए नहीं हैं। मोटे-मोटे रुप से कहा जाए तो सडकों की खराब डिजाइन, हल्की सडक निर्माण सामग्री, सडक निर्माण मानकों की अनदेखी, सढकों पर पानी भरने, रखरखाव व देखरेख में लापरवाही, ठेकेदारों व अधिकारियों की लालची प्रवति, सडकों के मरम्मत कार्य में लापरवाही, गुणवत्ता पर ध्यान नहीं देने, सडकों पर पानी की सही निकासी नहीं होने और इसी तरह के कई कारण है जिनके कारण सडकों पर गड्ढे बन जाते हैं। देखा जाए तो थोडी से अनदेखी, लापरवाही और छोटे से लालच के कारण यही सडके मौत का कारण बन जाती है। इसके साथ ही आम जन की परेशानी का कारण बनने के साथ ही सरकारी धन का नुकसान होता है वह अलग। केवल गड्ढा होने से दुर्घटना में मौत ही नहीं अपितु कितना नुकसान होता है यह किसी से छिपा नहीं है। एक पक्ष यह भी कि गड्ढों के कारण दुर्घटना के साथ अन्य होने वाले नुकसानों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वाहनों के कलपुर्जों टायर आदि को नुकसान, सामान्य आदमी को भी धचकों से होने वाले पीठ आदि के दर्द, बीमार आदमी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर, ईंधन का नुकसान, समय का नुकसान सहित अनेक ऐसे नुकसान है जिनकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती।

हालात यहां तक हो गए है कि टोल सड़कों पर भी सड़कों के हालात अब ज्यादा अच्छे देखने को नहीं मिल रहे हैं। आखिर गड्ढों या अन्य कारणों से किसी भी तरह की जनहानि या धनहानि होती है तो वह राष्ट्रीय नुकसान ही है। इसलिए इस क्षेत्र में कार्य कर रहे सरकारी व गैरसरकारी संस्थाओं को आगे आना होगा और कम से कम कम सड़कों के गड्ढों को तो मौत का कारण नहीं बनने दिया जाना चाहिए।

पिछले दिनों केन्द्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सडक निर्माण में होने वाली लापरवाही के लिए संबंधित इंजीनियर्स व अन्य को जिम्मेदार बनाने, समुचित रखरखाव, ड्रोन से निगरानी और लोगों को टोल नंबर पर शिकायत करने जैसी सुविधाएं या कदम उठाने की पहल की है। इसी तरह से यह प्रावधान भी कई राज्य सरकारों द्वारा किए गए है व किए जा रहे हैं कि निश्चित समय सीमा से पहले सडक क्षतिग्रस्त हो जाती है तो उसकी जिम्मेदारी सडक बनाने वाले ठेकेदार की होगी। पर इसकी कितनी पालना हो रही है यह किसी से छुपी हुई नहीं हैं। बल्कि देखने में तो यही आता है कि एक बार सडक बन जाने के बाद उसका कोई धनी-धोरी ही दिखाई नहीं देता और फिर कभी कोई बडी दुर्घटना हो जाती है और उसके कारण बवंडर मच जाता है तब जाकर नींद खुलती है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि आज देश दुनिया में एक से एक नई तकनीक आ गई है। इसमें सडक निर्माण की तकनीक भी शामिल है। पानी भरने वाले स्थानों पर सीमेंट कांक्रिट की सडकें बनने लगी है पर ढाक के वहीं तीन पात दिखाई देते हैं और सडकों की गुणवत्ता पर आए दिन प्रश्न उठते रहते हैं। हालाकि यह प्रश्न उठाने की बात नहीं बल्कि सामने दिखने वाली बात है। हालात यहां तक हो गए है कि टोल सडकों पर भी सडकों के हालात अब ज्यादा अच्छे देखने को नहीं मिल रहे हैं। आखिर गड्ढों या अन्य कारणों से किसी भी तरह की जनहानि या धनहानि होती है तो वह राष्ट्रीय नुकसान ही है। इसलिए इस क्षेत्र में कार्य कर रहे सरकारी व गैरसरकारी संस्थाओं को आगे आना होगा और कम से कम कम सडकों के गड्ढों को तो मौत का कारण नहीं बनने दिया जाना चाहिए। सोचना यह होगा कि किसी जिम्मेदार की छोटी सी लापरवाही किसी परिवार पर कितना कहर बन कर आती है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरूवार 7 दिसम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2080, हस्त नक्षत्र शुक्रवार प्रात: 8:54 तक, आयुष्मान योग रात्रि 12:29 तक, वणिज करण सांय 4:06 तक, चन्द्रमा कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृश्चिक, बुध-धनु, गुरू-मेष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज भद्रा सांय 4:06 से गुरूवार प्रात: 5:07 तक रहेगी। आज भगवान महावीर तप कल्याणक दिवस (जैन) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:24 तक, चर 12:00 से 12:18 तक, लाभ-अमृत 12:18 से 2:54 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:06, सूर्यास्त 5:24

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर हो सकते हैं। स्वास्थ्य से संबंधित परेशानी से राहत मिलेगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी।

सिंह

आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

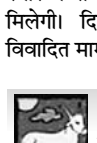

वृष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

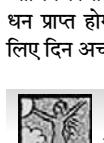

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

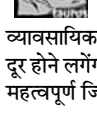

मिथुन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

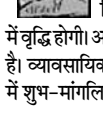

तुला

व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

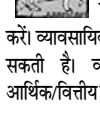

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। मित्रों/रिश्तेदारों से मतभेद बढ़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है।

वृश्चिक

आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय के नवीन स्त्रोत सामने आयेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मीन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

लघु एवं मझोले वर्ग के समाचार पत्रों का उत्पीड़न रोकने की मांग उठी

- विज्ञापन नीति की खामियों को दूर करने की उठी मांग
- आर. एन. आई. व सी. बी. सी. की कार्यशैली की हुई निन्दा

वेरावल/गुजरात। एसोसिएशन ऑफ स्मॉल एण्ड मीडियम न्यूजपेपर्स ऑफ इण्डिया की राष्ट्रीय परिषद की बैठक माहेश्वरी भवन के निकट स्थित टी. एफ. सी. सभागार में आयोजित की गई। बैठक का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात गुजरात इकाई अध्यक्ष मयूर बोरीचा व अन्य पदाधिकारियों ने बैठक में शामिल होने वाले सदस्यों व मंचासीन पदाधिकारियों का सम्मान किया। इसी दौरान सोमनाथ ट्रस्ट के प्रबंधक ने मंचासीन पदाधिकारियों का सम्मान किया।

एसो. ऑफ स्मॉल एण्ड मीडियम न्यूजपेपर्स ऑफ इण्डिया की राष्ट्रीय परिषद की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड आदि राज्यों की इकाइयों के अध्यक्ष व पदाधिकारी शामिल हुए और अपने अपने राज्यों से प्रकाशित होने वाले समाचार पत्र/पत्रिकाओं के समक्ष आने वाली समस्याओं से अवगत कराया और उनका निराकरण करवाने की मांग रखी। बैठक में सी. बी. सी., आर. एन. आई. की कार्यशैली की आलोचना करते हुए कहा गया कि इनके द्वारा आये दिन ऐसे नियम थोपे जा रहे हैं जिसके कारण लघु एवं मझोले वर्ग का विकास दर प्रभावित हो रहा है और प्रकाशक परेशान हो रहे हैं। कुछ राज्यों में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की कार्यशैली की आलोचना की गई और बताया गया कि स्थानीय स्तर पर परेशान किया जा रहा जा है।

अनेक राज्यों से शामिल हुए सदस्यों द्वारा दी गई जानकारी के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव दत्त चंदोला ने कहा कि एसोसिएशन की इकाइयां अपने अपने राज्यों की समस्याओं को लिखित रूप से भेजें जिससे कि उन्हें सम्बन्धित विभाग अथवा मंत्रालय को भेज कर उनका निराकरण करवाने का प्रयास किया जा सके। इस दौरान श्री चंदोला ने कहा कि सरकारी मशीनरी जिस तरह से छोटे व मझोले वर्ग के अखबारों को परेशान कर रही है वह बहुत ही निंदनीय है और उसे कतई स्वीकार्य नहीं है। यह भी कहा कि सभी राज्य नियमित बैठक करें और अखबारों की समस्याओं को भेजें।

बैठक को राष्ट्रीय महासचिव शंकर कतीरा, राष्ट्रीय सचिव डॉ. अनन्त शर्मा व प्रवीण पाटिल, उप्र राज्य इकाई के अध्यक्ष व भारतीय प्रेस परिषद के सदस्य श्याम सिंह पंवार, गुलाब सिंह भाटी, दीपक भाई ठक्कर ने सम्बोधित कर अखबारों की समस्याओं को उठाया। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल व्यस्तता के चलते बैठक में शामिल नहीं हो पाये, अतएव उन्होंने पत्र भेजकर बैठक के सफल आयोजन की शुभकामनाएं पत्र के माध्यम से प्रेषित की। बैठक में गुजरात, उप्र, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, कर्नाटक, उत्तराखंड, राजस्थान से प्रकाशित होने वाले अनेक समाचारपत्रों के प्रकाशक गण मौजूद रहे।

जोधपुर पोलो सीजन-2023 की रंगारंग शुरुआत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर पोलो एवं इक्वीस्टेरियन इंस्टीट्यूट जोधपुर के तत्वावधान में महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउंडेशन पोलो मैदान पाबूपुरा में बुधवार को 24वां जोधपुर पोलो सीजन 2023 शुरू हुआ। बैण्ड की सुमधुर लहरियों के बीच रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़कर सीजन की रंगारंग शुरुआत की गई। आयोजन पूर्व सांसद गजसिंह के मुख्य संरक्षण में हो रहा है। जोधपुर पोलो एवं इक्वीस्टेरियन इंस्टीट्यूट के मानद सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि बुधवार से शुरु हुए 24 वें जोधपुर पोलो सीजन 2023 में उम्मेद भवन पैलेस कप पोलो (4 गोल) टूर्नामेंट की शुरुआत हुई। रॉयल बग्गी में बैठकर मैदान में पहुंचे मुख्य अतिथि सेवानिवृत मेजर जनरल नरपत सिंह राजपुरोहित वी. एस. एम., अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने गेंद फेंककर मैच का शुभारंभ करवाया। मेहरानगढ़ बैण्ड व आर्मी पाईप बैण्ड की सुमधुर सुर लहरियों के बीच बच्चों ने रंग-बिरंगे बैलून हवा में छोड़कर जोधपुर पोलो सीजन 2023 की शुरुआत करवायी।

जोधपुर पोलो एवं इस्क्स्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के मानद सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि टूर्नामेंट में मेयो कॉलेज और बालसमंद के बीच पोलो मैच खेला गया। मेयो कॉलेज टीम को बालसमंद टीम ने 2 गोल के अन्तर से हराया। बालसमंद टीम के विश्वराज सिंह भाटी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अकेले 3 गोल किए। पेपसिंह भलासरिया ने पहले चक्कर मे 2 गोल व तीसरे चक्कर में षिवपाल सिंह ने 1 गोल किया।

टूर्नामेंट में मेयो कॉलेज और बालसमंद के बीच पोलो मैच खेला गया।

मुकाबले में मेयो कॉलेज टीम की ओर से खेलते हुए टीम के विदेशी खिलाडी लॉन्स वाटसन ने पहले व दूसरे चक्कर में एक-एक व तीसरे चक्कर में दो गोल किया। मैच के अम्पायर धनन्जय सिंह व कमेंट्री अंकुर मिश्रा ने की। मैच के दौरान महाराज मदनसिंह, राजेन्द्रसिंह, कर्नल गिरेन्द्र सिंह दाखां, डॉ. महेन्द्रसिंह राठौड़, अंकुर मिश्रा, मेयो कॉलेज के लेफ्टिनेंट जी.एस. राठौड़, राजेन्द्रसिंह लीलिया सहित अनेक पोलो प्रेमी उपस्थित थे।

मतदाताओं का व्यवहार वैश्विक स्तर पर बदल रहा है

डॉ. रामावतार शर्मा

भारत में क्रिकेट के टूर्नामेंट होते हैं जिन्हे आईपीएल के नाम से जाना जाता है। इस प्रतियोगिता में एक टीम का उदाहरण लिया जा सकता है जिसका नाम है राजस्थान रॉयल्स। यहां दो बातों का विशेष ध्यान आता है। पहली तो यह कि यह टीम किसी पुराने राजघराने की नहीं है और दूसरी बात यह कि इस टीम में राजस्थान का कोई प्रमुख खिलाड़ी भी नहीं होता है।

पर देखा गया है कि राजस्थान के लोग इसे अपनी टीम मानकर इसके पक्ष में जोरदार हूटिंग करते है, इसकी जीत पर जश्न मनाते और हार पर संताप करते नजर आते हैं जबकि इन दोनो ही मनोदशाओं का कोई औचित्य नहीं है। मानव इतिहास में इस प्रकार का ध्रुवीकरण पहले नहीं देखा जाता था। लोग तभी ध्रुवीकृत होते थे जब कोई पारिवारिक या सामाजिक विपत्ति सामने नजर आने लगती थी। परंतु पिछले कुछ दशकों से तीव्र गति से विकसित होते संचार तंत्र और उसके फलस्वरूप चारों तरफ फैलते सामाजिक मीडिया के प्रभाव के कारण तकरीबन पूरी दुनियां में लोगों का बड़े स्तर पर ध्रुवीकरण हो रहा है। फिर चाहे वह क्रिकेट या फुटबॉल का कोई क्लब हो, किन्ही दो राष्ट्रों के बीच युद्ध हो या फिर सत्ता प्राप्ति के लिए चुनाव हो। आज यह ध्रुवीकरण मनोवैज्ञानिकों, दार्शनिकों और सामाजिक विचारकों के लिए शोध एवम् मंथन का विषय हो चला है।

आज यदि हम विश्वपटल पर नजर डालें तो भारत, अमेरिका, इटली, फ्रांस, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका सहित करीब करीब हर देश में वहां की जनता दो हिस्सों में ध्रुवीकृत हुई नजर आती है। जनता का बहुमत पक्ष या विपक्ष में अपना मत हमेशा देता आया है पर आज के समय जैसा कट्टर और तर्कहीन ध्रुवीकरण पहले कभी भी नजर नहीं आया था। अब अगर राजनीति के क्षेत्र की बात करें तो पिछले सौ सालों तक पूरे विश्व के जनतांत्रिक देशों में एक विशेष व्यवहार देखा जाता था जिसमें जनता का एक वर्ग दक्षिणपंथी और दूसरा वामपंथी होता था।

दक्षिण पंथी यानि परंपराओं में विश्वास रखने वाला जिसमें पूंजीवाद और व्यक्तिगत संपत्ति संग्रहण को प्रमुखता दी जाती हो। वामपंथ जो सैद्धांतिक तौर पर समानता, संसाधनों का बटवारा, स्वतंत्रता तथा अमीर गरीब की खाई कम करने के लिए कार्य करने का दम भरता था पर व्यवहार में निरंकुश एवम् क्रूर शासकों द्वारा हथिया लिया गया था। विश्व के कोई 20-25 प्रतिशत लोग कट्टर दक्षिण पंथी होते रहे हैं और 10 प्रतिशत लोग वामपंथी झुकाव वाले रहे हैं। दक्षिण पंथी लोगों में संस्कृति और धर्म के स्वयंभू रक्षक होने का भ्रम रहता है इसलिए ये लोग सदा ज्यादा संगठित और मुखर रहे हैं जबकि वामपंथी आपस में लड़ते झगड़ते तथा मरते-मारते रहे हैं। चूंकि दोनों समूहों के केंद्र में कट्टरता है तो दोनों द्वारा ही व्यापक हिंसा के अनेक उदाहरण प्रस्तुत होते रहे हैं।

अमेरिका के गणितज्ञ हैरोल्ड होटलिंग द्वारा 1929 में प्रतिपादित सिद्धांत के अनुसार दक्षिण पंथी पार्टियां सत्ता में आने के लिए कुछ वामपंथी नीतियां भी अपना लेती हैं ताकि नरम वामपंथियों के मत अपने पक्ष में डलवा सकें। वे ऐसा इसलिए कर सकती हैं क्योंकि उन्हें विश्वास होता है कि उनके कट्टर दक्षिण पंथी उन्हें कभी नहीं छोड़ पाएंगे। कई वामपंथी भी इस तरह के असफल प्रयास करते नजर आते रहे हैं। परंतु सोशल मीडिया के बड़े विस्तार ने होटलिंग के सिद्धांत में बड़ा छेद कर डाला है क्योंकि अब मतदाता वोटर कम और प्रशंसक एवं दर्शक अधिक बन गया है। लोग राजनीतिक पार्टियों को आईपीएल टीम की तरह मानने लगे हैं जिसमें एक अपनी और एक पराई टीम होती है। अपनी टीम के सदस्य की हर लापरवाही, अपराध, भ्रष्टाचार और अनैतिकता माफ या अनदेखी कर दी जाती है और विपक्षी की पराजय का जश्न मनाने के लिए मतदाता अपने आप को झोंक देता है। यही कारण है कि राजनीतिक पार्टियां चुनाव प्रचार में सामाजिक, आर्थिक, पुलिस एवम् प्रशासनिक सुधार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे नहीं उठाती हैं। सारा चुनाव प्रचार व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप, चरित्रहनन और जन विभक्ति पर आधारित हो गया है। लोगों की एकरस जिंदगी में कुछ हलचल होती है और उनके द्वारा चंद सप्ताहों के काल्पनिक मनोरंजन तथा व्हाट्सएप और फेसबुक पर फूहड़ मजाकों द्वारा आत्मप्रशंसा तथा परनिंदा के माध्यम से कुछ समय काट लिया जाता है। अमेरिका जैसे देश में भी कई दशकों से रिपब्लिकन एवम् डेमोक्रेट मतदाताओं का जबरदस्त ध्रुवीकरण देखा जा रहा है जो अब और गहरा हो चला है। इस तरह का ध्रुवीकरण प्रारंभिक काल में बहुत लोगों को अच्छा लगता है इसलिए राजनीतिक पार्टियां इसको हवा देती रहती है। पर धरती पर हर विधा जिसका दुरुपयोग होता है उसका एक गुब्बारा भी बनता है जैसे शेयर बाजार में तेजी का गुब्बारा यानि बबल बनता है।

याद रखना चाहिए कि गुब्बारा फूलने की एक हद होती है इसलिए अत्यधिक हवा से हर गुब्बारा अचानक फूट पड़ता है। सामाजिक मीडिया और उसके राजनीतिक उपयोग दुरुपयोग का गुब्बारा भी पूरी दुनिया के देशों में लगातार फूलता जा रहा है और एक दिन फूटेगा यदि इस पर कोई नियंत्रण नहीं लगा। पर यह नियंत्रण लगाएगा कौन? सरकारों में बैठे लोग और विपक्षी दोनों इसके दुरुपयोग द्वारा अपने आप को महिमामंडित कर रहे हैं और जनता भी अपने दृष्टिकोण से इस प्लेटफार्म पर समय गुजार रही है। लगता है ऐसा कई वर्ष और चलेगा मगर कब तक? इस सवाल पर विश्व शोध क्षेत्र में अभी तो कोई सिद्धांत या परिकल्पना प्रतिपादित होते नजर में नहीं आ रहे हैं। सूचनाओं की आंधियों में चिंतन-मनन का समय किसे है? और यदि किसी ने प्रयास कर कुछ राय देने की हिम्मत कर भी डाली तो इस नक्कारखाने में तूती की आवाज सुनेगा कौन? समय का धमाका ही हवा में उड़ते लोगों को जमीन पर लाएगा क्योंकि राजनीति क्रिकेट आईपीएल या फुटबॉल विश्वकप नहीं है इसलिए यहां सक्रिय भागीदारी की बजाय मुग्ध दर्शक बनना जनतंत्र के अस्तित्व के लिए खतरा एवम् अधिनायकवाद के उदय होने की संभावनाओं का बीजारोपण भी हो सकता है।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

गृह रक्षा का 61वां स्थापना दिवस मनाया, जागरूकता प्रभातफैरी एवं स्वच्छता अभियान चलाया

भीलवाड़ा, (निसं)। गृह रक्षा के 61वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र के समादेष्टा ललित व्यास ने बुधवार को ध्वजारोहण कर सलामी ली। इस दौरान गृह रक्षा मुख्यालय राजस्थान से प्राप्त बधाई संदेश का पठन किया गया एवं पुलिस महानिदेशक एवं महासमादेष्टा गृह रक्षा मुख्यालय द्वारा व्यास को महानिदेशक प्रशस्ति डिक्स एवं महानिदेशक प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। साथ ही स्थाई स्टॉफ की तरफ से बुके देकर सम्मानित किया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा प्रथम श्रेष्ठ प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

इसके उपरान्त वर्षभर सराहनीय व उत्कृष्ट कार्य करने एवं राजस्थान विधानसभा आम चुनाव-2023 के दौरान चुनाव ड्यूटी को शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले होमगार्ड्स कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर

गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र के समादेष्टा ललित व्यास ने ध्वजारोहण कर सलामी ली।

- इस अवसर पर कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा प्रथम श्रेष्ठ प्रतिभागियों को सम्मानित किया

जागरूकता प्रभात फैरी एवं विभिन्न उप केन्द्रों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान चित्रकला, वाद-विवाद, मेहन्दी, रंगौली, सुन्दर लेखन, वर्दी सज्जा, कैरम, लांगौरी (सितौलिया), रस्सा-कस्सी, क्रिकेट प्रतियोगिता, मूँछ प्रतियोगिता एवं भालाफैंक 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया एवं प्रथम आने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया। होमगार्ड्स बेस्ट वर्दी टर्न आउट पुरूष वर्ग में छोटू लाल शर्मा एवं महिला वर्ग में प्रियंका लखारा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मूँछ प्रतियोगिता में दुर्गालाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस दौरान कार्यालय के प्लाटून कमाण्डर माधव लाल, मुख्य आरक्षी शांति लाल, वरिष्ठ सहायक नरेंद्र सिंह मीणा एवं कनिष्ठ सहायक देवेन्द्र सिंह तथा अवैतनिक कम्पनी कमाण्डर राजनारायण, त्रिलोकचन्द्र, बालू सिंह, महेन्द्र सिंह, रमेश कुमार, राकेश कुमार, विशाल, हरलेश कुमार, सदाकत अली, छोटूलाल, हीना बानू, लक्ष्मी, सोनू आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के अन्त में पुलिस महानिदेशक एवं महासमादेष्टा गृह रक्षा, समादेष्टा, स्थाई स्टॉफ एवं स्वयंसेवकों को माधव लाल प्लाटून कमाण्डर द्वारा धन्यवाद दिया गया।